

# DR. (SMT.) JOYASREE GOSWAMI MAHANTA

Dr. (Smt.) Joyasree Goswami Mahanta is chief editor of Adinor Sambad (distinguished Assamese daily) and writer of 65 books till now. She writes three languages viz Assamese, English and Bengali. She is a member of Executive Council, selection committee & academic council of Guwahati University. She is also member of Board of Governors of Royal Global University, Governing body of Girijananda Choudhary memorial college of pharmaceutical and engineering, Governing body of BKB Collage, General council of Sahitya Academy, Life member of Asam Sahitya Sabha.National Academy of sciences, Bombay Natural History Society, Indian Science Congress & many other organization.

2. Born on January 01, 1961 in a reputed family in Gauripur, Dhubri district, Assam Dr. Mahanta started schooling at her native town. Her father Late Ramesh Chandra Goswami was a renouned scholar in Sanskrit & mother Late Mukulrani Goswami was an educated lady. Dr. Mahanta's forefather Mahamahopaddhaya Dhireshwaracharyya, who was founder of many schools and sanskrit study centres (sanskrit chatuspathi, toals) in Assam, wrote many books in Sanskrit, Bengali and Assamese.

3. Dr. Mahanta graduated in Zoology with honours from Cotton College and Arya Vidyapith College, Guwahati. She had done her M.Sc in Physiology & Biochemistry from Guwahati University, Assam. After completing Ph.D from the same University on the effect of calcium over the skin of animals, she started her career as a lecturer in Cotton College, Gauhati University. After teaching twelve years in the same College she joined as a lecturer in Gauhati University. During her academic career many research papers were published in national and international journals & seminars.She was invited to the University of Reading & University of East Anglia, Norwich, U.K and many other Universities in U.K. as a Guest Lecturer.

4. During student life, being a member of All Assam Students Union, Dr. Mahanta played active role in Assam Agitation (1979-85) against illegal migration of foreigners to Assam India and was arrested 69 times as an activist. She edited a journal of literature during agitation period. At present she is also Hon. Prof. of Bio Chemistry in Assam downtown University and a General Council member of Sahitya Akademi.

5. Dr. Mahanta was married in 1988 to Prafulla Kr Mahanta, the then Chief Minister of Assam and blessed with two sons and a daughter, all of them are continuing their studies in different college and universities. In 1999 she was elected (unanimous) to Rajya Sabha as a member and served the nation with various experiences. Being a member of the Parliamentary standing committee of Home Affairs, Petroleum and Chemicals, External Affairs etc she visited several countries and gathered varied experiences, participated meetings in UNO several times and shared the views of India regarding many national and international issues. She founded three schools for poor students in Morigaon, Nagaon and Duliajan in Assam and all are running successfully till now.

6. Since last thirty five years, Dr. Mahanta has written more than thousand articles on socio-economic & socio-cultural aspects in the newspaper and magazines. She writes mainly in Assamese, Bengali and English. Her published books till now are 65 and another 6 books are going to be published in Dec, 2018. Her books are translated to English, Hindi, Marathi and Bodo. Her book on one horned Rhino is very popular among the students and professors in foreign countries. She has written many books for children to inspire them in manifold fields of life. Her novel on the life of 'Mahakavi' (English version 'The Poet Immoral') is .translated to Hindi, Marathi and English. This is considered as the first novel on the life of Kalidas in Indian literature and earned a good name and praised by many senior journalists and famous writers of the nation including Times of India and NDTV. This book has earned popularity among the readers of many countries & published from New Delhi, New York, Chicago and London. Her other popular books is a series containing eight volume (till now) on the Assam Movement against illegal infiltrators from foreign countries has gained much popularity in whole North East & other parts. Many researchers of diff Universities are doing research works on this subject based on these books as valuable reference. Among her novels Mahakavi (on the life of Mahakavi Kalidas both in assamese and English version- The Poet Immortal), Gandhari, Dronacharyya and Salagram have earned very much popularity among readers.

7. Dr. Mahanta is receipient of Manav seva award, Morom Land Award for best women writer in 2015, Ambika Giri Roy Chouwdhary Award for her Famous novel 'Chanakya' by Asom Sahitya Sabha in 2017, Bhupen Hazarika



# डॉ. (श्रीमती) जयश्री गोस्वामी महन्त

डॉ. (श्रीमती) जयश्री गोस्वामी महन्त, प्रतिष्ठित असमिया दैनिक "अदिनोर संवाद" की मुख्य संपादक तथा अब तक 65 पुस्तकों की लेखिका हैं। आप असमिया, अंग्रेजी तथा बांग्ला तीन भाषाओं में लिखती हैं। आप गुवाहटी विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, चयन समिति तथा शैक्षिक परिषद की सदस्य हैं। आप रॉयल ग्लोबल विश्वविद्यालय के शासी मंडल, गिरीजानंद चौधरी मेमोरियल कॉलेज ऑफ फारमास्यूटिकल एंड इंजीनियरिंग के प्रबंध निकाय, बी के बी कॉलेज के प्रबंध निकाय, साहित्य अकादमी की सामान्य परिषद की सदस्य हैं और असम साहित्य सभा, नेशनल अकेडमी ऑफ साइंसेज, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी, इंडियन साइंस कांग्रेस एवं कई अन्य संगठनों की आजीवन सदस्य हैं।

2. आपका जन्म 01 जनवरी 1961 को गौरीपुर, धुबरी जिला, असम के एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। आपने अपने मूल निवास से स्कूली शिक्षा प्राप्त की। आपके पिता स्व. श्री रमेश चन्द्र गोस्वामी संस्कृत के प्रकांड पंडित थे और मां स्व. श्रीमती मुकुलरानी गोस्वामी एक शिक्षित महिला थीं। आपके पूर्वज महामहोपाध्याय धीरेश्वराचार्य ने असम में कई विद्यालयों तथा संस्कृत अध्ययन केन्द्रों (संस्कृत चतुस्पदी, तोआल्स) की स्थापना की और संस्कृत, बांग्ला तथा असमिया में कई पुस्तकें लिखी।

3. आपने कॉटन कॉलेज एंड आर्य विद्यापीठ कालेज, गुवाहटी से जीव विज्ञान में ऑनर्स किया है। आपने गुवाहटी विश्वविद्यालय, असम से शरीरविज्ञान तथा बायोकेमिस्ट्री में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की। इसी विश्वविद्यालय से जानवरों की त्वचा पर कैलशियम के प्रभाव पर पी.एच.डी पूरी करने के पश्चात कॉटन कॉलेज, गुवाहाटी विश्वविद्यालय के आपने गुवाहाटी विश्वविद्यालय में प्रवक्ता के पद पर कार्य किया उसी कॉलेज में 12 वर्ष तक शिक्षण कार्य में योगदान देने के पश्चात आपने गुवाहाटी विश्वविद्यालय ज्वाइन किया। आपके शैक्षिक कैरियर के दौरान राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और सेमिनारों में आपके कई शोध पत्र प्रकाशित हुए। आपको यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग तथा यूनिवर्सिटी ऑफ इस्ट एंजिला, नॉरविक, यू.के तथा यूनाइटेड किंगडम के कई अन्य विश्वविद्यालयों में अतिथि प्रवक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

4. अपने विद्यार्थी जीवन के दौरान, ऑल असम स्टूडेंटस यूनियन की सदस्य होने के नाते, आपने असम भारत में विदेशियों के गैर-कानूनी प्रवासन के खिलाफ असम आंदोलन (1979-85) में सक्रिय भूमिका अदा की और आप कार्यकर्ता के रूप में 69 बार गिरफ्तार हुई। आंदोलन की अवधि के दौरान आपने जर्नल ऑफ लिटरेचर का संपादक किया। वर्तमान समय में आप असम डाउनटाउन विश्वविद्यालय में बायो केमिस्ट्री की मानद प्रोफेसर तथा साहित्य अकादमी की सामान्य परिषद की सदस्य हैं।

5. वर्ष 1988 में असम के तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रफुल्ल कुमार महंता के साथ आपका विवाह हुआ। आपके दो पुत्र तथा एक पुत्री हैं, वे सभी अलग-अलग कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। 1999 में आप राज्य सभा सदस्य (निर्विरोध) चुनी गई और आपने अपने विभिन्न अनुभवों से राष्ट्र की सेवा की । गृह मंत्रालय, पेट्रोलियम तथा केमिकल्स, विदेश मंत्रालय इत्यादि की संसदीय स्थायी समिति की सदस्य होने के नाते आपने कई देशों में दौरे किए तथा विभिन्न अनुभव प्राप्त किए, यू एन ओ की सभाओं में कई बार प्रतिभागिता की तथा राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण पर विचार साझा किए। आपने मोरीगांव, नागांव तथा दुलियाजां में गरीब छात्रों के लिए तीन स्कूलों की स्थापना की तथा अब तक तीनों सफलतापूर्वक चल रहे हैं।

6. विगत पैंतीस वर्षों में, आपने सामाजिक - आर्थिक तथा सामाजिक - सांस्कृतिक पहलुओं पर समाचार पत्रों तथा पत्रिकाओं में एक हजार से अधिक लेख लिखे। आप मुख्यत: असमिया, बांगला तथा अंग्रेजी में लिखती हैं। आपकी अब तक 65 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और दिसंबर 2018 तक 6 अन्य पुस्तकें भी प्रकाशित हो जाएंगी। आपकी पुस्तकों का अंग्रेजी, हिंदी, मराठी तथा बोड़ो में अनुवाद किया गया। एक सींग वाले गैंडे पर लिखी आपकी किताब विदेशों में छात्रों और प्राध्यापकों के बीच बहुत ही लोकप्रिय हुई है। आपने बच्चों के लिए कई पुस्तकें लिखी जो उन्हें जीवन के विविध क्षेत्रों के प्रति प्रेरित करती हैं। 'महाकवि' के जीवन पर आपका उपन्यास (अंग्रेजी संस्करण 'द पोएट इम्मारटल) हिंदी, मराठी तथा अंग्रेजी में अनूदित किया गया। इसे भारतीय साहित्य में कालिदास के जीवन पर लिखा गया पहला उपन्यास माना जाता है तथा इसे टाइम्स ऑफ इंडिया और एन डी टी वी सहित देश के कई वरिष्ठ पत्रकारों और प्रसिद्ध लेखकों से ख्याति तथा प्रशंसा प्राप्त हुई है। इस पुस्तक को कई देशों के पाठकों के बीच प्रसिद्धि प्राप्त हुई तथा नई दिल्ली, न्यूयार्क, शिकागों और लंदन से इसका प्रकाशन किया गया। विदेशों से गैर-कानूनी घुसपैठ के विरूद्ध असम आंदोलन पर आठ खंडों (अब तक) की आपकी एक श्रृंखला आपकी अन्य प्रसिद्ध पुस्तकों में से है जिसे समग्र पूर्वोत्तर तथा अन्य क्षेत्रों में काफी प्रसिद्धि मिली। इन पुस्तकों के महत्वपूर्ण संदर्भों के आधार पर विभिन्न विश्वविद्यालयों के कई शोधकर्ता इस विषय पर शोध कर रहे हैं। आपके उपन्यासों में महाकवि (महाकवि कालिदास के जीवन पर असमिया में तथा अंग्रेजी संस्करण – द पोएट इम्मारटल), गांधारी, द्रोणाचार्य तथा सालग्राम पाठकवर्ग में अत्यधिक लोकप्रिय हुए हैं।

7. आपको मानव सेवा अवार्ड, 2015 में सर्वश्रेष्ठ महिला लेखक के लिए मोरम लैंड अवार्ड, 2017 में असम साहित्य सभा द्वारा आपके प्रसिद्ध उपन्यास 'चाणक्य' के लिए अंबिका गिरी रॉय चौधरी अवार्ड और 2017 में ही भूपेन हजारिका लिट्रेरी अवार्ड प्रदान किए गए हैं ।